

डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



माघ-फाल्गुन शक 1943 | फरवरी 2022 | खण्ड 34 | अंक 2

ISSN: 0971-4405

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया





प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ के नागेश्वर राव
सह मुख्य संपादक : सुमति शर्मा
संपादक : डॉ फूलदीप कुमार



हमारे संवाददाता

अहमदनगर
अंबरनाथ
चांदीपुर
बेंगलूरु

- : कर्नल अतुल आप्टे, श्री आर ए शोख, वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना (वी आर डी ई)
- : डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल)
- : श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर); श्री रत्नाकर एस मोहपात्रा, प्रमाण तथा प्रायोगिकी केंद्र (पी एक्स ई)
- : श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई); श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
- : श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर)
- : सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक)
- : डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी)
- : डॉ. प्रसन्ना बक्शी, रक्षा जेव – अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
- : श्री वेकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिकी तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई)
- : डॉ. अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी)

चंडीगढ़
चेन्नई
देहरादून

- : डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल)
- : श्रीमती एस जयसुधा, संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई)
- : श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील)
- : श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई)

दिल्ली

- : श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिमा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
- : डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
- : डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर)
- : श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
- : श्रीमती रविता देवी, पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा); सुश्री नूपूर श्रोतिय – वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी)
- : डॉ. रूपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल)

ग्वालियर
हल्दवानी
हैदराबाद

- : डॉक्टर मनोरमा विमल, रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई)
- : डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जेव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
- : श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल)
- : श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल)
- : डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल)
- : श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई)

जगदलपुर
जोधपुर
कानपुर
कोच्चि
लेह
मसूरी
मैसूर
पुणे

- : डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एस एफ सी)
- : श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डी एल)
- : श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई)
- : श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल)
- : डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान स्थान (डिहार)
- : डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम)
- : डॉ. एम पाल्मरुगण, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल)
- : डॉ. (श्रीमती) जे ए कनेटकर, आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई)
- : डॉ. विजय पात्र, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी)
- : श्री एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच एम आर एल)

तेजपुर

- : डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल)



इस अंक में.....

मुख्य लेख

04



प्रौद्योगिकी अंतरण	05
नवोन्मेष	06
घटनाक्रम	07
अवसंरचना विकास	22
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	27
निरीक्षण/ दौरा कार्यक्रम	30

वेबसाइट : <https://www.drdo.gov.in/samachar>

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया निम्नलिखित पते पर संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403 फैक्स : 011-23819151



ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया

डीआर डी ओ द्वारा पूर्व की तुलना में अधिक उन्नत स्वदेशी तकनीकों और बेहतर कार्य क्षमता से युक्त ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का 20 जनवरी 2022 को ओडिशा के समुद्र तट से सटे चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर) से सफल परीक्षण किया गया। मिसाइल का प्रक्षेपण ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा डी आर डी ओ की टीमों के साथ घनिष्ठ समन्वय के साथ किया गया था। प्रक्षेपण के दौरान मिसाइल ने सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा करते हुए अनुमानित प्रक्षेपण पथ का अनुसरण किया।

मिसाइल उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों से लैस थी तथा उन्नत दक्षता को दर्शाने एवं बेहतर प्रदर्शन के लिए मिसाइल द्वारा एक संशोधित एवं सर्वाधिक उपयुक्त प्रक्षेपण पथ का अनुसरण किया गया। संशोधित नियंत्रण प्रणाली से युक्त मिसाइल को उन्नत क्षमता प्राप्त करने के लिए उपयुक्त रूप में समंजित किया गया था। संपूर्ण परीक्षण उड़ान के दौरान मिसाइल पर पूर्वी तट पर तैनात किए गए टेलीमेट्री उपकरणों, रडार एवं इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम तथा समुद्री पोतों सहित परिसर में संस्थापित उपकरणों के सभी सेंसरों द्वारा निगरानी रखी गई थी। मिसाइल का यह परीक्षण ब्रह्मोस कार्यक्रम



को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। परीक्षण में डी आर डी ओ और एन पी ओ एम, रूस की टीमों ने भाग लिया।

डी आर डी ओ और एन पी ओ एम, रूस का संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस, समुद्र और भूमि लक्ष्यों पर अधिक प्रभावी और घातक रूप में प्रहार करने की दृष्टि से अपनी विध्वंसक क्षमता में वृद्धि करने के लिए शक्तिशाली, अत्यधिक बहुमुखी ब्रह्मोस को लगातार उन्नत बना रहा है। ब्रह्मोस पहले से ही हमारे सशस्त्र बलों में शामिल एक शक्तिशाली मिसाइल आयुध प्रणाली है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस सफल उड़ान परीक्षण के लिए ब्रह्मोस, डी आर डी ओ की टीमों

और उद्योग जगत को बधाई दी है। रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने आयुध प्रणालियों की दक्षता को अधिकतम करने और स्वदेशी तकनीकों को अधिकाधिक प्रयोग में लाए जाने की दिशा में लगातार प्रयास करने के लिए वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की सराहना की। ब्रह्मोस के महानिदेशक श्री अतुल डी राणे ने परीक्षण में शामिल एन पी ओ एम, रूस और डी आर डी ओ टीमों की संयुक्त टीमों को बधाई दी।



प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई) द्वारा विकसित किए गए उत्पादों के संबंध में प्रौद्योगिकी अंतरण हेतु लाइसेंस करार

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए दिसंबर 2021 में एक स्मरणीय सप्ताह का आयोजन किया गया। इस क्रम में उद्योगों को आई आर डी ई द्वारा विकसित किए गए दो उत्पादों के संबंध में प्रौद्योगिकी अंतरित करने हेतु लाइसेंस करार के हस्तांतरण के लिए 17 दिसंबर 2021 को एक समारोह आयोजित किया गया था।

टी-90 टैंक के लिए 'सिम्युलेटेड टेस्ट एंड इंट्रोगेटर किट (एस टी आई के)' से संबंधित तकनीक इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड, देहरादून की इकाई, ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स फ़ैक्ट्री को अंतरित की गई है। किट का प्रयोग फील्ड में टी-90 टैंक की निर्देशित हथियार प्रणाली (गाइडेड वेपन सिस्टम) की तैयारी की जांच करने के लिए किया जाएगा। आई आर डी ई द्वारा भारतीय सेना की पी एस क्यू आर संबंधी अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए 'सिम्युलेटेड टेस्ट एंड इंट्रोगेटर किट (एस टी आई के)' को अभिकल्पित एवं विकसित किया गया है। यह प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी है और भारतीय सेना में इस प्रणाली की तत्काल आवश्यकता है। 'टी-90 टैंक के लिए ड्राइवर नाइट साइट' की तकनीक एम के यू लिमिटेड, कानपुर को अंतरित कर दी गई है। इस प्रणाली में एक उन्नत अनकूल्ड थर्मल इमेजर और एक दिन के प्रकाश में प्रयोग में लाए जाने वाला कैमरा शामिल है जिसमें फॉर्म-फिट कॉन्फिगरेशन में निम्न प्रकाश स्तर पर इमेजिंग कार्य करने की क्षमता होती है। इसमें थर्मल इमेजर तथा दिन के प्रकाश में प्रयोग में लाए जाने वाले डे कैमरा का इलेक्ट्रॉनिक इमेज फ्यूजन भी शामिल है। यह प्रणाली मौजूदा अभिदृश्यक प्रणाली का एक महत्वपूर्ण उन्नयन है, जिसे प्रयोग में लाए जाने पर टी-90 टैंक की रात में लड़ने की क्षमता में पर्याप्त वृद्धि होगी।

डॉ बी. के. दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई ने डॉ सुधीर खरे, वैज्ञानिक 'जी' तथा समूह निदेशक (टी ओ टी); श्री नीरज भार्गव, कार्यक्रम निदेशक (एस टी आई के); श्री विपिन कुमार शर्मा, पीडी (डी एन एस – टी-90); श्री एम पी श्रीवास्तव, समूह प्रमुख (टी ओ टी) तथा आई आर डी ई एवं परियोजना टीमों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को प्रौद्योगिकी अंतरण दस्तावेज सौंपा। आई आर डी ई के निदेशक ने अपने संबोधन में उद्योग जगत तथा डी आर डी ओ के बीच समन्वय स्थापित करने पर बल दिया तथा उद्योग जगत से विश्व स्तरीय विश्वसनीय



ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री (ओ एल एफ) के महाप्रबंधक श्री एस के यादव को टी-90 टैंक के लिए 'सिम्युलेटेड टेस्ट एंड इंटीग्रेटर किट (एस टी आई के)' से संबंधित प्रौद्योगिकी अंतरण दस्तावेज सौंपते हुए डॉ बी.के. दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई

प्रणालियों और उत्पादों का उत्पादन करने के लिए प्रौद्योगिकी अंतरण (टी ओ टी) को कुशलता से प्रयोग में लाने का आग्रह किया। समारोह के समापन अवसर पर उद्योग जगत के

प्रतिभागियों के साथ आई आर डी ई परियोजना टीम के सदस्यों का एक फोटो सेशन आयोजित किया गया।

नवोन्मेष

डी आर डी ओ ने पांच भारतीय कंपनियों को अत्यधिक ठंड के मौसम में पहने जाने वाले वस्त्रों को निर्मित करने से संबंधित तकनीक सौंपी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी द्वारा 27 दिसंबर 2021 को पांच भारतीय कंपनियों को अत्यधिक ठंड के मौसम में पहने जाने वाले वस्त्रों (ई सी डब्ल्यू सी एस) को निर्मित करने के लिए स्वदेश में विकसित की गई प्रौद्योगिकी सौंपी गई।





ई सी डब्ल्यू सी एस की भारतीय सेना को ग्लेशियर तथा हिमालय की चोटियों पर अपने निरंतर अभियानों के लिए आवश्यकता पड़ती है। थल सेना ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए हाल तक अत्यधिक ठंड के मौसम में पहने जाने वाले कपड़ों तथा कई विशेष वस्त्रों और पर्वतारोहण उपकरणों (एस सी एम ई) का आयात करती रही है।

ई सी डब्ल्यू सी एस हिमालय क्षेत्र में विभिन्न परिवेशी जलवायु दशाओं के अंतर्गत विभिन्न स्तरों के शारीरिक क्रियाकलापों को करने के दौरान आवश्यक इंसुलेशन के आधार पर बेहतर थर्मल इंसुलेशन और शारीरिक आराम को ध्यान में रखते हुए विकसित किए गए मॉड्यूलर तकनीकी वस्त्र हैं जिन्हें कार्मिकों की श्रम दक्षता को ध्यान में रखते हुए अभिकल्पित किया गया है।

ई सी डब्ल्यू सी एस को अभिकल्पित करने के दौरान श्वसन ऊष्मा तथा शरीर से जल की हानि की दर में कमी लाने, कार्मिकों द्वारा निर्बाध गति करने तथा पसीने को तेजी से अवशोषित करने संबंधी शरीर क्रियात्मक संकल्पनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है तथा इनमें वाटर प्रूफ, विंड प्रूफ जैसी विशेषताएं समाहित की गई हैं एवं अधिक ऊंचाई पर चलाए जाने वाले अभियानों के दौरान कार्मिकों के लिए उपयुक्त रूप में सांस लेने और उन्नत इंसुलेशन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा वस्त्रों की मजबूती पर ध्यान दिया गया है। तीन स्तरों के ई सी डब्ल्यू सी एस वस्त्रों को संस्तरों और शारीरिक कार्य की तीव्रता के विभिन्न संयोजनों के साथ +15 से -50 डिग्री सेल्सियस के तापमान रेंज पर उपयुक्त रूप

से थर्मल इंसुलेशन प्रदान करने के लिए अभिकल्पित किया गया है।

हिमालय की चोटियों में व्यापक रूप से उतार-चढ़ाव वाले मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, ई सी डब्ल्यू सी एस वस्त्र मौजूदा जलवायु परिस्थितियों के लिए आवश्यक इंसुलेशन (आई आर ई क्यू) को पूरा करने के लिए उपयोगी हैं, जिससे भारतीय सेना के लिए एक व्यवहार्य आयात विकल्प प्राप्त होता है। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ जी सतीश रेड्डी ने ई सी डब्ल्यू सी एस के लिए स्वदेशी औद्योगिक आधार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि न केवल सेना की मौजूदा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके बल्कि हमारा देश अत्यधिक ठंड के मौसम में पहने जाने वाले ई सी डब्ल्यू सी एस वस्त्रों के निर्यात में भी सक्षम हो।

घटनाक्रम

डी आर डी ओ स्थापना दिवस समारोह

सैन्य प्रौद्योगिकी से संबंधित अनेक अत्याधुनिक क्षेत्रों जैसेकि – वैमानिकी, आयुध, संग्राम वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, नौसेना प्रणाली, मिसाइल, सामग्री, उन्नत कंप्यूटिंग, सिमुलेशन, हाइपरसोनिक, क्वांटम

कंप्यूटिंग एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जीवन विज्ञान तथा अन्य प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों पर काम कर रहे डी आर डी ओ ने 1 जनवरी 2022 को अपना 64 वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस उपलक्ष्य में रक्षा अनुसंधान

एवं विकास विभाग के सचिव तथा डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ जी सतीश रेड्डी ने 3 जनवरी 2022 को डी आर डी ओ समुदाय को संबोधित किया। डॉ रेड्डी ने डी आर डी ओ मुख्यालय के महानिदेशकों और अन्य



निदेशकों के साथ डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की आवक्ष प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, डी आर डी ओ ने परियोजना टीमों के अथक उत्साह, दृढ़ता और समर्पण, परियोजना महानिदेशकों, निदेशकों और प्रयोगशाला निदेशकों के सक्षम नेतृत्व के माध्यम से कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्होंने लक्ष्यों को प्राप्त करने में वित्तीय सलाहकारों, कॉर्पोरेट टीमों, उद्योग जगत के भागीदारों और सरकारी हितधारकों जैसे सभी संबंधित पक्षों के सहयोग के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित 'मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्यों को साकार करने के लिए अत्याधुनिक प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर चार आंतरिक स्वचालन पोर्टल तथा दो दस्तावेजों व आत्मनिर्भरता हेतु प्रणाली अभियांत्रिकी विषय पर एक मोनोग्राफ का विमोचन किया गया। डी आर डी ओ के स्थापना दिवस पर आयोजित किए गए समारोह में देश भर से संपूर्ण डी आर डी ओ समुदाय ने आंतरिक नेटवर्क के माध्यम से ऑनलाइन भाग लिया।



यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई) द्वारा विकसित किए गए उत्पादों के संबंध में प्रयोक्ता की प्रतिक्रिया ज्ञात करने हेतु पारस्परिक विचार-विमर्श - सह - प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर ने 1 दिसंबर 2021 को डी आर एल परिसर में यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई)-डी आर डी ओ द्वारा विकसित किए गए उत्पादों के संबंध में प्रयोक्ता की प्रतिक्रिया ज्ञात करने हेतु पारस्परिक विचार-विमर्श -सह-प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता 4 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल रविन खोसला, ए वी एस एम, एस एम, वी एस एम, जी ओ सी ने की। डॉ. डी.वी. काम्बोज, निदेशक, डी आर एल ने अपने स्वागत भाषण में प्रयोगशाला के अधिदेश तथा चार्टर एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात सशस्त्र सेना के कार्मिकों के लिए पिछले छह दशकों के दौरान डी आर ए द्वारा निर्वहन की गई भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डी आर एल के डॉ वनलालमुआका, वैज्ञानिक 'ई' ने डी आर एल की डोमेन गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी।

समारोह के दौरान आई आर डी ई के श्री मनोज पुरोहित, वैज्ञानिक 'एफ' ने उपयोगकर्ताओं द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रयोग में लाए जाने



यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई) द्वारा विकसित किए गए उत्पादों का रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) के परिसर में आयोजित किए गए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम के दौरान 4 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल रविन खोसला, ए वी एस एम, एस एम, वी एस एम, जी ओ सी

के लिए उपयुक्त आई आर डी ई उत्पादों और प्रौद्योगिकियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उपयोगकर्ताओं के समक्ष आईआरडीई द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों - बी ओ एस एस, एस आर एस ई, एल आर एफ युक्त एच एच टी आई, ओ टी एल, आदि के संबंध में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जी ओ सी, 4 कोर ने डी आर डी ओ के वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की तथा अपने संबोधन में प्रौद्योगिकी अप्रचलन के कारक को ध्यान में रखते हुए बहुत कम समय

के भीतर उत्पादों की क्षमता और उनके उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में मुख्यालय 4 कोर के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों तथा डी आर एल, आई आर डी ई एवं रक्षा भू सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डी जी आर ई) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बैठक तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम का भारतीय सेना के मुख्यालय 4 कोर के साथ समन्वय डी आर एल के डॉ बी जे गोगोई, वैज्ञानिक 'ई' और आई आर डी ई के श्री मानवेंद्र सिंह, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा किया गया था।

कार्य गुणवत्ता दिवस समारोह

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु ने 26 नवंबर 2021 को विश्व गुणवत्ता दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर 'रक्षा उत्पादों के लिए अभिकल्प प्रक्रिया में स्थिरता' विषय पर एक वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान रंगसंस एरोस्पेस, बेंगलुरु के महाप्रबंधक श्री एम सतीश द्वारा एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अपने व्याख्यान में वक्ता ने धारणीय व्यवसाय के छह अनिवार्य सिद्धांतों तथा समानता, पारिस्थितिकी एवं अर्थव्यवस्था के त्रिक सिद्धांत के बारे में विस्तार से बताया। आपने यह भी बताया कि दुनिया भर में रक्षा उद्योग का एकमात्र उपभोक्ता सरकारी क्षेत्र है और अपने कथन के समर्थन में आपने कुछ उदाहरण प्रस्तुत किए।

आपने अपने व्याख्यान का समापन करते हुए कहा कि रक्षा संगठन निरंतर



समुन्नत हों, इसके लिए आवश्यक है कि वे मापन, निगरानी और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया का अनुपालन करें ताकि निरंतर सुधार के माध्यम से उनके क्रियाकलापों का समाज, अर्थव्यवस्था और पृथ्वी की पारिस्थितिकी पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) द्वारा 11 नवंबर 2021 को विश्व गुणवत्ता दिवस-2021 समारोह का आयोजन किया गया जिसका प्रतिपाद्य विषय "संपोषणीयता: हमारे उत्पादों, लोगों के जीवन और पृथ्वी की पारिस्थितिकी में सुधार लाना" था।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एन एस

एंड एम) ने किया। इस अवसर पर श्री आर श्रीहरि, वैज्ञानिक 'जी' और प्रौद्योगिकी निदेशक (क्यू आर एस) ने स्वागत भाषण दिया तथा बताया कि इस समारोह को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता के प्रति जागरूकता के स्तर को उन्नत बनाना तथा गुणवत्ता पेशेवरों के प्रयासों और योगदान को समझना है। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयासों से और संगठन में एक गुणवत्ता संस्कृति की आदत से दीर्घकालिक स्थिरता प्राप्त की जा सकती है और गुणवत्ता नवाचार के अंदर निहित है और गुणवत्ता को अनिवार्य बनाने से सफल परिणाम प्राप्त होते हैं।

मुख्य अतिथि ने निदेशक, एन एस टी एल के साथ मिलकर गुणवत्ता और विश्वसनीयता की बुनियादी अवधारणाओं पर आयोजित की गई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। साथ ही, समारोह के प्रतिपाद्य विषय पर तीन लघु व्याख्यानों का



आयोजन किया गया जो क्रमशः कोमोडोर आर के जेना, मुख्य नौसेना आयुध (पूर्व) निरीक्षक, रियर एडमिरल एस. मिश्रा, पूर्व महानिदेशक, नौसेना आयुध निरीक्षण (डी जी एन ए आई), डी आर डी ओ अध्येता तथा डॉ ए श्रीनिवास कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी निदेशक (बैटरी और विस्फोटक) द्वारा दिए गए। इस कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों, एन एस टी एल सिविल कर्मचारी संघ और कार्य समिति के सदस्यों तथा एन एस टी एल के कर्मचारियों ने भाग लिया।

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में डी आर डी ओ दिवस का आयोजन

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर ने 3 जनवरी 2022 को 64वां डी आर डी ओ दिवस – 2022 मनाया। इस अवसर पर श्री एच के रथ, निदेशक आई टी आर ने वर्ष 2021 के दौरान आई टी आर द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। श्री रथ ने व्याख्यान में वर्ष 2021 के दौरान आई टी आर की विभिन्न महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जैसे कि आई टी आर द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 की स्थिति के बावजूद रिकॉर्ड संख्या में मिसाइलों का सफल परीक्षण किया गया तथा साथ ही इसके द्वारा स्वास्थ्य देखभाल केंद्र



के नवीनीकरण और विस्तार, आई सी यू ऑन व्हील्स की शुरुआत करने आदि जैसे विभिन्न अवसंरचना विकास कार्यक्रमों पर भी काम किया गया। आपने आई टी आर द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक क्रियाकलापों जैसे कि स्वच्छता ही सेवा अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, हरित आईटीआर हेतु चलाए गए अभियान, आदि की भी सराहना की।

श्री रथ ने व्याख्यान में विशेष रूप से उल्लेख करते हुए यह कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में परिवारों के समर्थन के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति के योगदान की भी आवश्यकता है। आपने कर्मचारियों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि उनका एक साझा विजन आई टी आर परिसर के विस्तार के साथ-साथ अत्याधुनिक यंत्रों तथा अवसंरचना सुविधाओं से युक्त एक विश्व स्तरीय परीक्षण परिसर को स्थापित करना हो।

इस अवसर पर आई टी आर की हिंदी गृह पत्रिका 'आरोही उत्कर्षता

की ओर' तथा 'आई टी आर 2022 का लक्ष्य दस्तावेज' के पांचवें संस्करण का विमोचन किया गया। आई टी आर के कर्मचारियों को इस अवसर पर वर्ष 2019 के दौरान सराहनीय प्रदर्शन के लिए आई टी आर वार्षिक नकद पुरस्कार तथा संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग में महत्वपूर्ण योगदान के लिए आई टी आर राजभाषा पुरस्कार प्रदान किए गए।

वार्षिक दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं – जैसे कि प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, अंताक्षरी, शास्त्रीय और लोक नृत्य, शास्त्रीय और हल्के गायन गीत, महिला कार्यक्रम आदि के विजेताओं को भी इस अवसर पर पुरस्कार वितरित किए गए।

श्री पी एन पांडा, वैज्ञानिक 'एफ', ए जी डी (एच आर) और उनकी टीम ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

स्थापना दिवस समारोह

रक्षा अनुसंधान तथा विकास
स्थापना (डी आर डी ई),
ग्वालियर

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर ने 28 दिसंबर 2021 को अपना 49वां स्थापना दिवस दिवस समारोह आयोजित किया। डॉ. यू. के. सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (जीवन विज्ञान) इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। महानिदेशक (जीवन विज्ञान) के कार्यालय से डॉ. देवकांत पहाड़ सिंह, निदेशक, पी एम एवं एस क्यू आर तथा डॉ. माया कुमारी, वैज्ञानिक 'ई' भी समारोह में शामिल हुईं।

डॉ. एम. एम. परिदा, निदेशक, डी आर डी ई ने मुख्य अतिथि तथा अन्य उपस्थित जनों का स्वागत किया एवं रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई) द्वारा प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों एवं चालू तथा आगामी परियोजना क्रियाकलापों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। आपने प्रयोगशाला को इस स्तर तक लाने के लिए डी आर डी ई के सभी पूर्व निदेशकों को धन्यवाद दिया तथा वैज्ञानिकों से न केवल इस स्तर को बनाए रखने का बल्कि आगे भी बड़े कदम उठाने का आग्रह किया। डॉ. सिंह, महानिदेशक (जीवन विज्ञान) ने वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को प्रयोगशाला स्तर के पुरस्कार वितरित किए। डॉ. एस.

उपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ. सुबोध कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' को 'वर्ष के प्रयोगशाला वैज्ञानिक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, कोविड प्रबंधन के लिए उपयोगी दवा '2-डीजी' के विकास में योगदान करने वाली टीम को 'प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार' प्रदान किया गया। डी आर डी ई में 25 साल की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को भी पदक से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में, डॉ. सिंह ने उल्लेख किया कि डी आर डी ई जीवन विज्ञान समूह की एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला है तथा आपने विशेष रूप से रसायन-जैव रक्षा के क्षेत्र में यहां किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास प्रयासों की सराहना की। व्याख्यान के दौरान पौराणिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए आपने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक व्यक्ति में 'हनुमान' जैसी अनूठी शक्ति होती है। आवश्यकता केवल इस शक्ति की पहचान करने की है ताकि विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सही समय पर सही दिशा में सामूहिक प्रयास किए जा सकें। उन्होंने सुझाव दिया कि वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को विशिष्ट यंत्रों / उपकरणों को विकसित करने को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए। डॉ. के गणेशन, वैज्ञानिक 'जी' ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर

रॉकेटों तथा वायु वाहित प्रणालियों के परीक्षण एवं मूल्यांकन से जुड़े कार्यों को करने वाली रक्षा संस्थान एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर ने 26 दिसंबर 2021 को अपना 39वां प्रयोगशाला स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। डॉ बी एच वी एस नारायण मूर्ति, महानिदेशक (एम एस एस) इस समारोह में श्री के एस वाराप्रसाद, महानिदेशक (एच आर) के साथ समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री डी के जोशी, निदेशक, पी एक्स ई, समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। श्री एच के रथ, निदेशक, आई टी आर तथा सह निदेशक, श्रीमती बी सुचारिता समारोह के दौरान मंच पर अतिथियों के साथ शामिल हुईं। समारोह का ऑनलाइन प्लेटफार्म पर सीधा प्रसारण किया गया। कर्मचारियों ने अपने-अपने

कार्यस्थलों से कार्यक्रम देखा जबकि उनके परिवार के सदस्यों ने लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से कार्यक्रम का आनंद लिया।

इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में श्री रथ ने वर्ष 2021 के दौरान आई टी आर की उपलब्धियों और प्रयोक्ताओं की भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आने वाली नई चुनौतियों पर प्रकाश डाला। डॉ मूर्ति ने पूरे वर्ष प्रक्षेपण क्रियाकलापों का संचालन करने तथा प्रयोक्ताओं द्वारा फ्लाइंग व्हीकल के कार्य-निष्पादन का शीघ्र विश्लेषण करने के लिए उन्हें एक रिकॉर्ड समय के भीतर परीक्षण डेटा उपलब्ध कराने में टीम आई टी आर द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर आई टी आर की त्रिभाषी गृह पत्रिका 'उत्कर्ष' (पांचवां संस्करण) का विमोचन किया गया, जिसमें कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की हिंदी, अंग्रेजी और उड़िया भाषाओं की साहित्यिक कृतियों को शामिल किया गया था।

26 दिसंबर को आयोजित किए गए मुख्य समारोह की पूर्व संध्या पर आई टी आर आवासीय परिसर, बालासोर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। बच्चों के लिए सिट एंड ड्रॉ (100 से अधिक प्रतिभागियों के साथ), प्रश्नोत्तरी तथा अंताक्षरी प्रतियोगिताएं, महिला कार्यक्रम, बच्चों के लिए ट्रैक एंड फील्ड एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने भारी संख्या में भाग लिया।

इन आयोजनों के विजेताओं को बाद में 26 दिसंबर 2021 की शाम को निदेशक, आई टी आर द्वारा सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें आई टी आर कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने गीत और नृत्य कार्यक्रम में प्रस्तुत किए, जिसका आई टी आर कॉलोनी में और साथ ही ऑनलाइन के माध्यम से शामिल हुए दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया।



आइकॉनिक सप्ताह का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर ने आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत मनाए जा रहे आइकॉनिक सप्ताह के एक हिस्से के रूप में 16 दिसंबर 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्देश्य युवा पीढ़ी को विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति के बारे में जागरूक करना है। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ रमा दूबे, वैज्ञानिक, डी आर एल

द्वारा दिए गए उद्घाटन भाषण के साथ हुई जिसके पश्चात विज्ञान विषयक व्याख्यानों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया जिसके तहत डॉ रमा दूबे द्वारा 'पॉलिमर फॉर डिफेंस एप्लिकेशन (रक्षा क्षेत्र में प्रयोग में लाए जाने वाले बहुलक पदार्थ)', डॉ वाई डी भूटिया द्वारा 'यूज ऑफ लेबोरेटरी एनिमल्स इन रिसर्च (अनुसंधान हेतु प्रयोगशाला जंतुओं का प्रयोग)', डॉ ए बोरा द्वारा 'टॉक्सिजेनिक सायनोबैक्टीरिया (विषाक्त पदार्थ उत्पन्न करने वाले सायनोबैक्टीरिया)' तथा डॉ आर आर

देवी द्वारा 'ऐप्लिकेशन ऑफ नैनो टेक्नोलॉजी फॉर वाटर/ वेस्ट वॉटर प्युरीफिकेशन (जल/अपशिष्ट जल शोधन के लिए नैनो प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग)' जैसे विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए। इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के छात्रों तथा संकाय सदस्यों ने भाग लिया एवं वक्ताओं के साथ उत्साह पूर्वक बातचीत की। कार्यक्रम का समापन तकनीकी अधिकारी डॉ बोधादित्य दास द्वारा प्रस्तुत किए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।



रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद में 13-19 दिसंबर

2021 के दौरान आइकॉनिक सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डी एल आर एल के निदेशक डॉ के महेश्वर रेड्डी द्वारा ए एन आर सभागार में कोविड -19 के संबंध में लागू किए गए सभी प्रोटोकॉलों का अनुपालन करते हुए प्रबंध सेवा निदेशालय

(डायरेक्टर ऑफ मैनेजमेंट सर्विसेज - डी ओ एम एस) के सह निदेशकों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डी एल आर एल के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच ने एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया।



इस श्रृंखला के तहत पहला व्याख्यान डॉ. सी. साईराम, वैज्ञानिक 'जी', डी एल आर एल द्वारा 'वी एच एफ/यू एच एफ बैंडों के लिए कैनोनिकल संरचनाओं का उपयोग करते हुए नए संहत ब्रॉड बैंड एंटेना का अभिकल्प तथा विकास' विषय पर दिया गया। दूसरा व्याख्यान कैप्टन रामी रेड्डी, डी एल आर एल द्वारा "संज्ञानात्मक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध" विषय पर दिया गया था। तीसरा व्याख्यान डॉ. एस. करुणानिधि, वैज्ञानिक 'एच', सह निदेशक, आर सी आई द्वारा 'विद्या - साइंस ऑफ हैप्पीनेस' विषय पर दिया गया। चौथा व्याख्यान श्री. संजय पांडव, वैज्ञानिक 'एफ', डी एल आर एल द्वारा 'संचार आसूचना के लिए डी एफ तथा एल एफ एल्गोरिद्म' विषय पर दिया गया तथा पांचवां व्याख्यान श्री वी. किशोर, वैज्ञानिक 'डी', डी एल आर एल द्वारा 'ड्रोन प्रौद्योगिकी तथा प्रत्युपाय' विषय पर एवं छठा व्याख्यान श्री ई. रमेश, वरिष्ठ डी जी एम, बी ई एल (एच) द्वारा 'इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के एकीकरण में चुनौतियां' विषय पर दिया गया।

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि में 'आजादी का अमृत महोत्सव' से जुड़े कार्यक्रम पूरे वर्ष आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों को जारी रखते हुए नवंबर 2022 के दौरान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्र-निर्माण में भाग लेने के लिए प्रेरित करना, उन्हें डी आर डी ओ में चुनौतीपूर्ण अवसरों से परिचित कराना, अनुसंधान एवं विकास संबंधी महत्वपूर्ण क्रियाकलापों के संबंध में छात्रों को संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध कराना, अनुसंधान एवं विकास संबंधी क्रियाकलापों को क्रियान्वित करने के लिए नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) में उपलब्ध अद्वितीय सुविधाओं एवं अवसररचना सुविधाओं से अवगत कराना तथा उन्हें प्रोत्साहित करते हुए यह बताना कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण करियर के अवसर उनका इंतजार कर रहे हैं।

19 नवंबर 2021 को केरल के पॉलिटेक्निक कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, प्लेसमेंट अधिकारियों और चयनित

छात्रों के साथ "इंस्पायर: ऑनलाइन इंटरएक्टिव आउटरीच इवेंट" आयोजित किया गया था। श्री एस विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल ने ऑनलाइन सत्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए डी आर डी ओ में करियर के अवसरों पर केंद्रित था। कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम) द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए विशेष रूप से एक सत्र आयोजित किया गया था। श्रीमती रमादेवी एम, वैज्ञानिक 'जी', सह निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स) तथा अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास परिषद ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। श्री जोजिश जोसेफ, वैज्ञानिक 'एफ' ने डी आर डी ओ में करियर के विभिन्न अवसरों पर एक प्रस्तुति दी। 24 नवंबर 2021 को भवन वरुण विद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक उन्नयन की दृष्टि से एक शिक्षा दौरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भवन वरुण विद्यालय एन पी ओ एल तथा भारतीय विद्या भवन का एक संयुक्त उद्यम है। इस शैक्षणिक दौरे के दौरान छात्रों ने मैटेरियल्स एंड ट्रांसड्यूसर्स सिम्युलेटेड टेस्ट सेंटर (एम ए टी एस) सुविधा का दौरा किया जो एशिया प्रशांत क्षेत्र में एकमात्र ऐसी सुविधा है जो "अंडर द ओशन यूज (समुद्र के

भीतर उपयोग)" श्रेणी की सामग्रियों के स्थैतिक या गतिक मापन एवं अंशांकन का कार्य करने में सक्षम है। छात्रों ने परियोजना एकीकरण कक्षों

का भी दौरा किया और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। इस दौरान छात्रों ने ऊसुस सबमरीन सोनार, ऊसुस ट्रेनिंग सिमुलेटर, एन ए जी ए

एन कर्षित व्यूह रडार, प्रोजेक्ट स्पेस, ऑप्टिकल एंड मैटेरियल्स डिवीजन आदि जैसी परियोजना सुविधाओं को देखा।



एन पी ओ एल में भवन वरुण विद्यालय के छात्र।

रक्षा उत्पाद प्रदर्शनी

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के आइकॉनिक सप्ताह के दौरान 17 दिसंबर 2021 को 'रक्षा उत्पाद प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के कुलपति प्रो. अविनाश तिवारी ने किया। इस अवसर पर डॉ मनमोहन परिदा, निदेशक, डी आर डी ई ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम का उद्देश्य 'आत्मनिर्भर भारत' की झलक दिखाना है। डॉ परिदा ने व्याख्यान में माननीय प्रधान मंत्री के नारे



प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अविनाश तिवारी।

'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाला युग चुनौतियों से भरपूर होने जा रहा है तथा अनुसंधान की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होगी।

इस प्रदर्शनी के दौरान सी ए एम, ए सी ए डी ए, एन बी सी मार्क-V सूट, एफ ए के, आर वी डी किट, वाटर पॉइज़न डिटेक्शन किट, विभिन्न डायग्नोस्टिक किट और बायोडाइजेस्टर सहित डी आर डी

ई द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। यहां यह उल्लेख करना उपयुक्त है कि कोविड महामारी के दौरान, डी आर डी ई ने विभिन्न व्यक्तियों से संगृहीत नमूनों की जांच के अलावा

सैनिटाइज़र, एन-95 मास्क तथा पी पी ई किट के थोक उत्पादन में उल्लेखनीय योगदान किया है।

प्रो. तिवारी ने कहा कि डी आर डी ई ने रसायनिक एवं जैव सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान

किया है तथा छात्रों, शोधकर्ताओं व अकादमिक जगत को भी ऐसी प्रदर्शनियों से लाभ होगा क्योंकि ऐसी प्रदर्शनियों से उन्हें देश के वैज्ञानिकों द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में सीधे जानकारी मिलती है।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास संगठन (आई आर डी ई), के लिए आई एस ओ 9001:2015 प्रमाणन

यंत्र अनुसंधान तथा विकास संगठन (आई आर डी ई), देहरादून को भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) द्वारा 17 दिसंबर 2021 को आई एस ओ 9001:2015 प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। यह गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों को बनाए रखने के लिए बी आई एस द्वारा प्रदान किया गया एक गुणवत्ता प्रबंधन प्रमाणपत्र है। बी आई एस की ओर से बी आई एस, देहरादून कार्यालय के प्रमुख श्री सुधीर बिश्नोई द्वारा डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक निदेशक, आई आर डी ई को यह प्रमाण पत्र सौंपा गया। डॉ



दास ने आई आर डी ई को यह प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए बी आई एस को धन्यवाद दिया तथा इस

उपलब्धि के लिए श्री जे पी सिंह, वैज्ञानिक 'जी' और उनकी टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

तकनीकी पुस्तक प्रदर्शनी 2021

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी), बेंगलुरु

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी), बेंगलुरु में तकनीकी

सूचना केंद्र (नालंदा) द्वारा 10-11 नवंबर 2021 के दौरान एक तकनीकी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया

गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ के महेश्वर रेड्डी, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डी एल आर एल द्वारा किया



डॉ. के महेश्वर रेड्डी, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डी एल आर एल एवं श्री सी एच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी', केंद्र प्रमुख, सी ए एस डी आई सी ।

गया तथा श्री सी एच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी', केंद्र प्रमुख, सी ए एस डी आई सी ने समारोह की अध्यक्षता की। पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन एवं क्रियान्वयन अत्यधिक सुनियोजित

रूप में किया गया था। प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों के पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल की गई थी। प्रदर्शनी में युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए

एस डी आई सी) के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून के नॉलेज सेंटर (के सी) ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 9-10 दिसंबर 2021 के दौरान आई आर डी ई में एक तकनीकी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। डॉ. बी. के. दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई ने 9 दिसंबर 2021 को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पांच पुस्तक आपूर्तिकर्ता फर्मों ने



अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी के दौरान कुल 1760 पुस्तकों

का प्रदर्शन किया गया जिनमें से आई आर डी ई के अधिकारियों और

कर्मचारियों द्वारा 458 पुस्तकों का चयन किया गया।

हिंदी पखवाड़ा समारोह

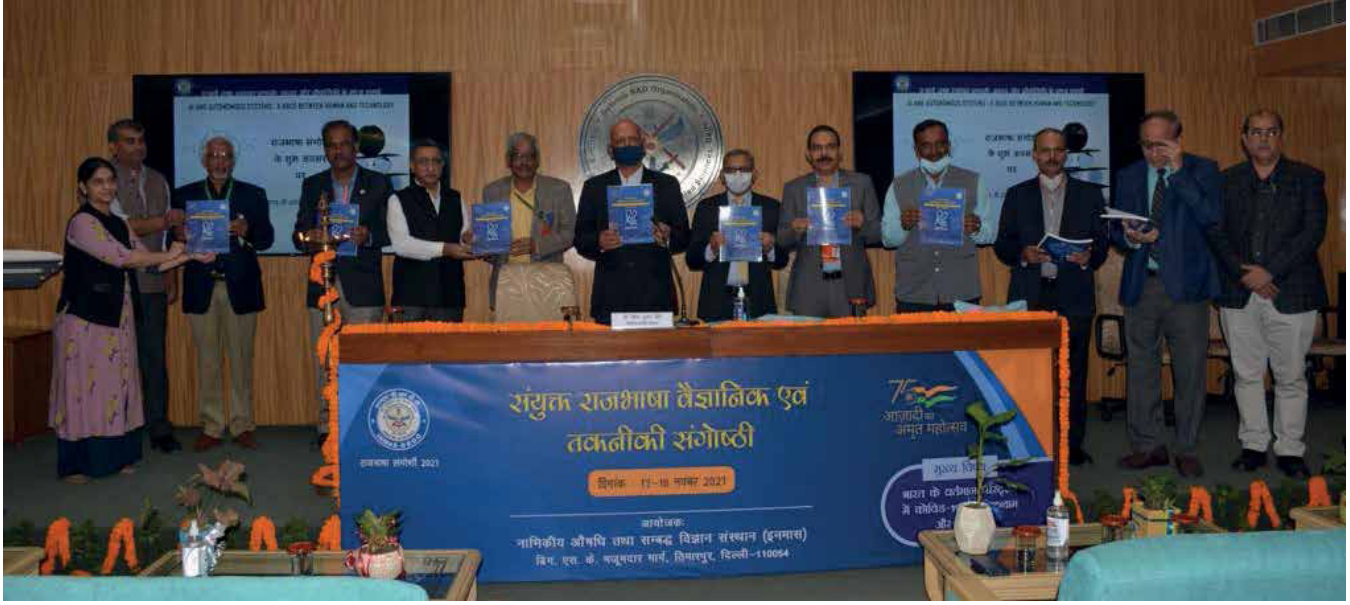
रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर में 9-22 नवंबर 2021 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। श्री विष्णु चंद्र झा, निदेशक, डी एम एस, डी आर डी ओ ने उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि ने अपने उद्घाटन भाषण में हिंदी भाषा पर व्यापक रूप से अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। डॉ. डी वी काम्बोज, निदेशक, डी आर एल ने हिन्दी भाषा के महत्व पर

बल देते हुए तथा हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। इस दौरान कविता पाठ, श्रुतलेख, निबंध लेखन, संस्मरण, अनुवाद, सुलेख, वाद-विवाद, लोकगीत, डिजिटल पोस्टर डिजाइन आदि जैसी अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डॉ. सौम्या चटर्जी, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। पखवाड़ा समारोह के दौरान सम्मानित अतिथि कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ पी भट्टाचार्य और डॉ आमोद कुमार, वैज्ञानिक 'जी', डी जी आर ई, चंडीगढ़

ने भी हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सुधीर कामत, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एम ई डी एंड सी ओ एस) उपस्थित थे। डॉ कामत ने समारोह में उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में आपने कार्यस्थल पर हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया एवं सभी को हिंदी पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं।



संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी



नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), नई दिल्ली में 17-18 नवंबर 2021 के दौरान एक संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ यू के सिंह, महानिदेशक (जीवन विज्ञान) ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। संगोष्ठी संरक्षक डॉ अनिल कुमार मिश्रा, निदेशक, इनमास; सह संरक्षक डॉ. के. रामचंद्रन, निदेशक, डी आई पी आर; डॉ. एस बी तनेजा, निदेशक, ईसा; डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक; डॉ आलोक जैन, निदेशक, सेपटेम; डॉ राजीव वाष्णीय, निदेशक, रक्षा शरीरक्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास); ई एम यू से श्री के के गौड़ तथा अन्य प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधि उद्घाटन

समारोह में शामिल हुए। उद्घाटन की शुरुआत बैठक की स्मारिका के विमोचन के साथ हुई, जिसके पश्चात आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ सुधीर चांदना, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा सम्मेलन के संबंध में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया तथा डॉ मिश्रा द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। डॉ कुमार ने इस संगोष्ठी को आयोजित किए जाने के लिए आयोजन समिति द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की तथा आयोजन समिति को बधाई दी एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया। आपने राजभाषा के रूप में हिंदी के महत्व पर अपने विचार श्रोताओं के साथ साझा किए। आपने हिंदी को और अधिक समर्थ बनाने के लिए इसके अधिकाधिक प्रयोग पर

बल देने के साथ ही इसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भाषा बनाने पर बल दिया तथा इसे सामान्य व्यक्ति के लिए सार्थक बनाने के लिए हिंदी में एक वैज्ञानिक शोध लेख लिखने का सुझाव दिया।

सम्मेलन में डी आर डी ओ की दिल्ली स्थित एवं भारत भर में स्थित प्रयोगशालाओं से कुल 107 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 73 प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्होंने दो दिवसीय सम्मेलन के अल्पावधिक सत्रों में अपने शोध और शोध योग्यता को साझा किया। सम्मेलन को पांच सत्रों में विभाजित किया गया था, जिसकी शुरुआत कोविड-19 के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और उनके उपचारों से हुई थी; दूसरा सत्र कोविड अनुसंधान और प्रबंधन को

समर्पित था। तीसरे सत्र में वैज्ञानिकों ने बुनियादी विज्ञान को हिंदी में उपलब्ध कराने पर अपने विचार तथा शोध साझा किए एवं चौथा सत्र राजभाषा नियमों और राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति के बारे में था। पांचवां सत्र पोस्टर प्रस्तुति और प्रत्येक पोस्टर पर 3 मिनट की लघु चर्चा के लिए था। सम्मेलन को संवादात्मक बनाने के लिए पहले दिन के अंत में योग सत्र और दूसरे दिन संध्या काल में कविता पाठ का आयोजन किया गया। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ रवींद्र सिंह, निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा, ओ एंड एम निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय ने की जिस दौरान आपने संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। आपने शासकीय तथा साथ ही अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी हिंदी के व्यापक विस्तार के लिए सरल हिंदी को प्रयोग में लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ अंशु गौतम, वैज्ञानिक 'ई' तथा राजभाषा अधिकारी, इनमास ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

संविधान दिवस समारोह

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम में 26 नवंबर 2021 को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रयोगशाला निदेशक तथा सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य भवन



स्थित निदेशक कार्यालय के फ़ोर (अग्रदीर्घा) में एकत्रित हुए तथा डॉ बी आर अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष सामूहिक रूप से भारत के संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा एवं इसके अनुपालन की प्रतिज्ञा ली तथा देश के इस राष्ट्र पुरुष को पुष्पांजलि अर्पित की।

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून में स्वच्छता पखवाड़ा

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून में 12-15 दिसंबर 2021 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया

गया था। इसकी शुरुआत प्रयोगशाला के अधिकारियों द्वारा पखवाड़ा के पहले दिन ली गई स्वच्छता शपथ के साथ हुई। इसके पश्चात् प्रयोगशाला परिसर के आसपास के क्षेत्रों की पहचान और सफाई की गई तथा निदेशक, डील एवं प्रयोगशाला के अन्य अधिकारियों द्वारा प्रयोगशाला परिसर में वृक्षारोपण किए गए। कर्मचारियों को अपने कार्यस्थलों पर सफाई रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान प्रशासन, बजट, लेखा और लेखा – परीक्षा अनुभागों में पुराने अभिलेखों की छंटाई की गई तथा निर्धारित मानक प्रक्रिया (एस ओ पी) का पालन करते हुए ई-कचरे का निस्तारण किया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को





हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया तथा डॉ बी के दास, निदेशक, डील द्वारा जूट बैग का वितरण किया गया। इस दौरान

प्रयोगशाला में ऑनलाइन स्वच्छता प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रयोगशाला अधिकारियों के साथ

आयोजित की गई पारस्परिक चर्चा दौरान निदेशक, डील ने स्वच्छता की आदत डालने की आवश्यकता पर बल दिया।

रोबोटिकी प्रणाली पर पेटेंट की मंजूरी

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु के श्री के. रमेश, वैज्ञानिक 'जी' (सेवानिवृत्त), डॉ मुरली कृष्णा, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री अरुण प्रकाश राव, वैज्ञानिक 'ई' को रोबोटिकी प्रणाली के विकास के लिए भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट की मंजूरी की गई है। इस रोबोटिकी प्रणाली में दीवार पर चढ़ने वाला एक रोबोट तैयार किया गया है जो कम दबाव उत्पन्न करने के लिए एक उच्च गति प्रेरित करनेवाले इम्पेलर का उपयोग करता है जो इसे एक सपाट सतह से चिपक कर ऊपर चढ़ने में मदद करता है। उच्च गति प्रेरित करनेवाले इम्पेलर को चलाने के लिए एक उच्च गति वाले ब्रशलेस डी सी मोटर का उपयोग किया जाता है। स्किड स्टीयरिंग तंत्र दो डी सी सर्वो मोटरों द्वारा संचालित होता है। यह सपाट सतहों पर आसानी से चल सकता है तथा फर्श से दीवार पर चढ़ने एवं दीवार से उतर कर फर्श पर चलने में भी सक्षम है। रोबोट को उस दीवार के पास फर्श पर रखा जा सकता है जिस पर रोबोट को तैनात किया जाना है, ऐसा करना विशेष रूप से तब सहायक सिद्ध होता है जबकि दीवार के पास जाना खतरनाक हो। रोबोट गति के साथ-साथ रोबोटिक आर्म को नियंत्रित करने के लिए एक रिमोट कंट्रोल यूनिट का उपयोग किया जाता है जिसमें एक वायरलेस कैमरा लगा होता है।

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) में नई अवसंरचना सुविधा का निर्माण आरंभ किया गया

केरल में संस्थापित की गई डी आर डी ओ की एकमात्र प्रयोगशाला नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि अत्याधुनिक अंतर्जलीय निगरानी प्रणालियों के संबंध में अधुनातन श्रेणी के अनुसंधान एवं विकास कार्यों को करने के लिए अपनी अवसंरचना सुविधाओं को उन्नत बनाने की दिशा में

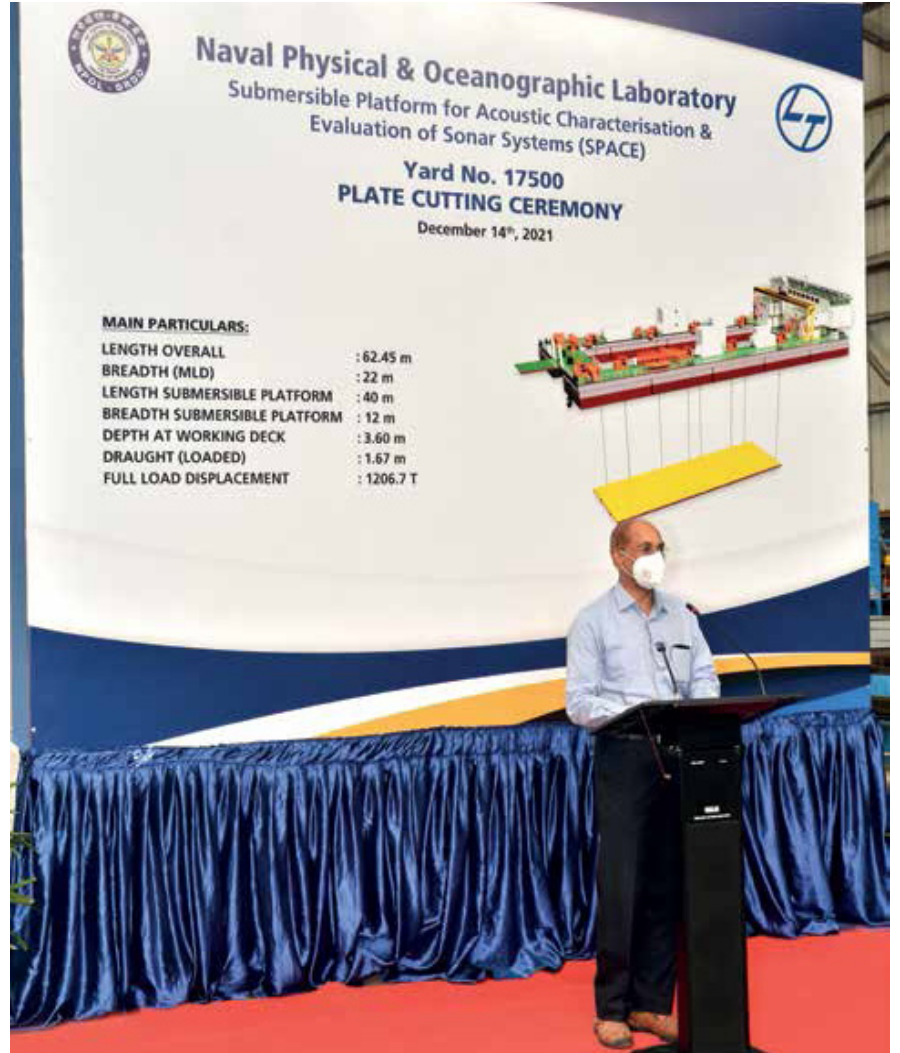
निरंतर कार्य कर रही है। इसकी सुविधाओं की श्रृंखला में शामिल की गई कुलमावू स्थित अंडरवाटर अकॉस्टिक रिसर्च फैसिलिटी (यू ए आर एफ) एक नई अवसंरचना सुविधा है जो "सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म फॉर एकोस्टिक कैरेक्टराइजेशन एंड इवैल्यूएशन (स्पेस)" के नाम से जानी जाती है। यह अद्वितीय जल-संस्थित अवसंरचना सुविधा एल एंड टी

शिपबिल्डिंग, चेन्नई द्वारा विकसित और निर्मित की जा रही है।

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) की सुविधाओं की श्रृंखला में शामिल की गई इस नई सुविधा का 'प्लेट कटिंग समारोह' 14 दिसंबर 2021 को चेन्नई के निकट स्थित कट्टुप्पली में एल एंड टी के शिपयार्ड में आयोजित किया गया। श्री एस

विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल ने सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म फॉर एकोस्टिक कैरेक्टराइजेशन एंड इवैल्यूएशन (स्पेस) के पोतखोल के लिए स्टील काटने की प्रक्रिया का स्विच श्री समीर अब्दुल अजीज़, परियोजना निदेशक (स्पेस) तथा श्री अशोक कुमार खेतान, प्रमुख, शिपबिल्डिंग बिजनेस, एल एंड टी शिपबिल्डिंगकी उपस्थिति में चालू किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने बताया कि सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म फॉर एकोस्टिक कैरेक्टराइजेशन एंड इवैल्यूएशन (स्पेस) अपनी तकनीकी विशेषताओं के साथ-साथ जिस स्थान पर इसे संस्थापित किया जाएगा उसकी भौगोलिक विशेषताओं को देखते हुए दुनिया में अपनी तरह की एक अनूठी सुविधा बनने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह राष्ट्रीय सुविधा वैश्विक मानकों के सोनार विकसित करने के अभियान में एन पी ओ एल की मदद करेगी।

इस सुविधा के परिचालन लाभों के बारे में विस्तार से बताते हुए, श्री समीर अब्दुल अजीज़ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म फॉर एकोस्टिक कैरेक्टराइजेशन एंड इवैल्यूएशन (स्पेस) एक नियंत्रित वातावरण में अंतर्जलीय परिस्थितियों के तहत समग्र सोनार प्रणालियों तथा संबंधित प्रौद्योगिकियों के



प्लेट कटिंग समारोह के दौरान उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए श्री एस विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल ।

समेकित परीक्षण एवं मूल्यांकन की क्षमता प्रदान करता है। उन्होंने आगे बताया कि इस सुविधा की सहायता से 100 टन पेलोड को 100 मीटर की गहराई तक तैनात किया जा सकेगा तथा उन्हें स्थिर परिस्थितियों में आवश्यक गहराई पर बनाए रखा जा सकेगा एवं उस पर विभिन्न सेंसरों और नियंत्रणों के माध्यम से

बारीकी से निगरानी की जाएगी। इस प्रकार, सबमर्सिबल प्लेटफॉर्म फॉर एकोस्टिक कैरेक्टराइजेशन एंड इवैल्यूएशन (स्पेस) आने वाले दिनों में किसी भी प्रकार के सोनार या अन्य प्रकार के अंतर्जलीय सेंसरों के लिए एक परीक्षण ट्रैक के रूप में काम करेगा।

रक्षा राज्य मंत्री ने रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) में में बी एस एल-3 सुविधा का उद्घाटन किया



रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने 23 दिसंबर 2021 को हल्द्वानी के रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) में बी एस एल-3 सुविधा का उद्घाटन किया। यह सुविधा उत्तराखंड की पहली कंटेनर आधारित बी एस एल-3 सुविधा है तथा वर्तमान में इस सुविधा का प्रयोग कोविड परीक्षण के लिए किया जा रहा है। यह सुविधा संहत, अपने आप में पूर्ण, पूरी तरह से वातानुकूलित है तथा इसमें प्रति पाली 96 नमूनों का परीक्षण करने की क्षमता है। इसे आसानी से पहाड़ी क्षेत्रों में तैनात किया जा सकता है।

श्री भट्ट ने 21 से 23 दिसंबर 2021 के दौरान डिबेर के हल्द्वानी स्थित मुख्यालय तथा पिथौरागढ़ फील्ड स्टेशन में संस्थान के अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का अवलोकन किया। आपने भारतीय थल सेना और

नौसेना द्वारा किए जा रहे जैव डीजल के व्यापक परीक्षण, हाइड्रोपोनिक्स टेक्नोलॉजी, चीड़ की नॉकदार पत्तियों से ऊर्जा प्राप्त करने हेतु विकसित किए गए अनुसंधान तथा विकास समाधानों की सराहना की। आपने डिबेर द्वारा उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों में 4000 से अधिक किसानों तथा सीमावर्ती अंतिम गांव नीति के किसानों तक भी पहुंच स्थापित कर उन्हें डिबेर द्वारा विकसित किए गए उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों से अवगत कराने की दिशा में डिबेर द्वारा किए गए प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की। श्री भट्ट इन क्रियाकलापों को तेज गति से और अधिक किसानों तक विस्तारित करने के इच्छुक थे ताकि किसानों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हो तथा परिणाम स्वरूप पहाड़ियों से पलायन को रोका जा सके।

हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सुविधा का उद्घाटन

डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून ने आई आर डी ई परिसर में 17 दिसंबर 2021 को हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग के लिए ऑप्टिक्स इंटीग्रेशन एंड कैरेक्टराइजेशन फैसिलिटी का उद्घाटन किया। यह प्रकाशिकी एकीकरण के लिए एक उत्कृष्ट सुविधा है। यह सुविधा सभी नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित है। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में डॉ दास ने इस सुविधा को स्थापित करने वाली टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।





पाठकों की राय

(आपकी राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक परिमार्जित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा ऐसा करके हम अपने संगठन की बेहतर सेवा कर पाएंगे)

1. स्थापना का नाम : _____
2. आप डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद विकास को उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करने के एक माध्यम के रूप में डीआरडीओ समाचार का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
3. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल की गई तकनीकी सामग्रियों का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
4. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल किए गए चित्रों की गुणवत्ता का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
5. आप डीआरडीओ समाचार को उपयुक्त रूप में कितने पृष्ठों की पत्रिका के रूप में देखना चाहते हैं?
8 पृष्ठ 12 पृष्ठ 16 पृष्ठ 20 पृष्ठ
6. आप डीआरडीओ समाचार को किस माध्यम में पसंद करेंगे?
मुद्रित ई-प्रकाशन वीडियो पत्रिका
7. आपको डीआरडीओ समाचार की प्रति कब प्राप्त होती है?
 प्रकाशन के पूर्ववर्ती महीने में
 प्रकाशन के माह में
 प्रकाशन के अगले महीने
8. डीआरडीओ समाचार में निहित तकनीकी सामग्री में आगे और सुधार लाने के लिए आपके सुझाव :
.....
.....
.....

नाम : पदनाम :

संगठन का नाम :

दूरभाष : ई-मेल :

पता :



कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें

संपादक, डीआरडीओ समाचार, डेसीडॉक, डीआरडीओ, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

दूरभाष : 011-23902403 फैक्स : 011-23819151

ई-मेल : director.desidoc@gov.in

डीआरडीओ समाचार अपने प्रकाशन के चौतीसवें वर्ष में है। यह प्रकाशन रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) का मुख पत्र है। यह प्रकाशन डीआरडीओ की वेब साइट पर पीडीएफ रूप में उपलब्ध है। इस प्रकाशन को अपने पते पर मंगवाने के लिए कृपया निदेशक, डेसीडॉक को लिखें।

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी), बेंगलुरु में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

युद्धक विमान प्रणाली विकास तथा एकीकरण केंद्र (सी ए एस डी आई सी), बेंगलुरु में केंद्र के कार्मिकों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित अवधारणाओं को समझने और अभ्यास करने के महत्व और अनिवार्यता के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए 17 नवंबर 2021 को अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के समक्ष संबंधित विषय के एक प्रख्यात विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसके पश्चात अग्निशामकों का उपयोग कैसे किया जाए, इस पर एक व्यावहारिक सत्र का आयोजन किया गया।



सेना के अधिकारियों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर), दिल्ली में सेना के अधिकारियों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम 15-26 नवंबर 2021 के दौरान आयोजित किया गया था। इस अवसर पर डॉ के रामचंद्रन, निदेशक, डी आई पी आर द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया तथा सेना मुख्यालय के उप महानिदेशक (डी वी) ब्रिगेडियर नवीन वर्मा ने

पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कैप्टन से लेकर कर्नल तक के रैंक के 28 सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया तथा सीमा सुरक्षा बल (बी एस एफ) से भी दो अधिकारियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। प्रयोगशाला के अतिरिक्त विभिन्न संस्थाओं, शिक्षा संस्थानों तथा अस्पतालों से अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता

प्राप्त लगभग 20 विशेषज्ञ वक्ताओं ने ज्ञानवर्धक व्याख्यानों के माध्यम से तथा व्यावहारिक सत्रों में प्रतिभागियों के साथ अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा किया। डॉ अर्चना, वैज्ञानिक 'एफ', समूह प्रमुख, फॉलो अप डिवीजन इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक थीं। रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर)

द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित यह ग्यारहवां ऐसा कार्यक्रम था तथा अब तक 367 से अधिक अधिकारियों को मनोवैज्ञानिक परामर्श में प्रशिक्षित किया गया है जो भारतीय सेना की यूनिटों और फॉर्मेशन स्तरों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), आई एफ ए और भारतीय वायु सेना (आई ए एफ) के अधिकारियों के लिए 'जेम प्रोक्योरमेंट' विषय पर पाठ्यक्रम का आयोजन



देहरादून में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), आई एफ ए और भारतीय वायु सेना (आई ए एफ) के अधिकारियों के लिए 16 नवंबर 2021 को प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी द्वारा 'जेम प्रोक्योरमेंट' पर एक दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम ऑफलाइन आयोजित किया गया था तथा 27 अधिकारियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम

का उद्घाटन डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डील एवं ग्रुप कैप्टन राजा के मंशारमाणी, पाठ्यक्रम निदेशक, आई टी एम तथा श्री अजय मलिक, वैज्ञानिक 'जी', एच आर डी समूह निदेशक, डील ने किया। ग्रुप कैप्टन मंशारमाणी ने पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को संबोधित किया और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से खरीद प्रक्रिया को समझने के महत्व पर विचार-विमर्श किया।

निदेशक, डील ने अपने संबोधन में इस प्रकार के पाठ्यक्रमों के आयोजन की प्रासंगिकता पर बल दिया। इस पाठ्यक्रम के लिए ग्रुप कैप्टन मंशारमाणी संकाय सदस्य थे। इस दौरान गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से संबंधित संक्षिप्त विवरण, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) से अधिप्रापण का तरीका, बोली रिवर्स नीलामी (बिड आर ए), जेम आर ए और पी टी एस, बंच बिड - बी ओ क्यू खरीददार, कस्टम कैटलॉग बोलियां, ऑर्डर प्रक्रिया और सी आर ए सी आदि जैसे विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए तथा इस दौरान पूछे गए सभी प्रश्नों का विद्वान संकाय सदस्य द्वारा उत्तर दिया गया।

पाठ्यक्रम के संबंध में प्रतिभागियों द्वारा अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की गई।

संरक्षित खेती विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

"आजादी के अमृत महोत्सव" वर्ष के दौरान 15 नवंबर 2021 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला के अनुसंधान तथा विकास केंद्र (डी आर एल आर एंड डी सेंटर), तवांग में किसानों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के मुख्य उद्देश्य से उनके लिए 'संरक्षित खेती' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान, किसानों को कम लागत वाली संरचनाओं सहित संरक्षित खेती की विभिन्न तकनीकों को सिखाया गया ताकि वे तवांग में भीषण सर्दी के दौरान भी सब्जियाँ उगा सकें क्योंकि भीषण



सर्दी की अवधि के दौरान खुली खेती के गांवों खिनमे और न्यू लेब्रांग से कुल संभव नहीं होती। कार्यक्रम में आसपास 25 किसानों ने भाग लिया।

उच्च योग्यता अर्जन

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद



उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद के श्री गोल्ला रामा राव, वैज्ञानिक 'एफ' को उनके द्वारा "कार्बन तंतु प्रबलित बहुलक सम्मिश्र पदार्थों में नैनो मृत्तिका मिलाने से उनके यांत्रिक, तापीय और अपक्षरण आचरण पर उत्पन्न होनेवाले प्रभाव का अध्ययन (स्टडीज ऑन द इफ़ेक्ट ऑफ नैनोकले एडिशन ऑन मैकेनिकल थर्मल एंड ऐब्लेशन बिहेवियर ऑफ कार्बन फाइबर रिइंफोर्सड पॉलिमर कंपोजिट्स)" विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई टी), वारंगल, तेलंगाना से पी एच डी की उपाधि प्रदान की गई है।

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि



नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि के श्री जोमन जॉर्ज, वैज्ञानिक 'जी', को उनके द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में "टारपीडो रक्षा प्रणाली के लिए नई संसूचन तथा प्रत्युपाय तकनीक (नोवेल डिटेक्शन एंड काउंटरमेजर टेक्निक्स फॉर टारपीडो डिफेंस सिस्टम्स)" विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए कोचीन विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा पी एच डी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु

• लॉन्ग गनरी, आई एन एस द्रोणाचार्य के छात्र अधिकारियों ने 11 अक्टूबर 2021 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने प्रयोगशाला में आए अतिथियों को इस प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया जिसके उपरांत कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर) द्वारा आसूचना प्रणालियों तथा रोबोटिकी एवं कमान नियंत्रण भूमि बलों, भौगोलिक सूचना प्रणाली तथा सुरक्षित प्रणालियों के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों पर चर्चा तथा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

• ब्रिगेडियर रवि सिंह, ब्रिगेडियर पी एम ओ टी सी एस ने 20 अक्टूबर 2021 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने प्रयोगशाला में आए अतिथि को इस प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया जिसके उपरांत कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर) द्वारा आसूचना प्रणालियों तथा रोबोटिकी एवं कमान नियंत्रण भूमि बलों, भौगोलिक सूचना प्रणाली तथा सुरक्षित प्रणालियों के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों पर चर्चा तथा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

• लेफ्टिनेंट जनरल एम यू नायर, एस एम, कमांडेंट, एम सी टी ई, महू ने 20 अक्टूबर 2021 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने प्रयोगशाला में आए अतिथियों को इस प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया जिसके उपरांत कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर) द्वारा आसूचना प्रणालियों तथा रोबोटिकी एवं कमान नियंत्रण भूमि बलों, भौगोलिक सूचना प्रणाली तथा सुरक्षित प्रणालियों के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों पर चर्चा तथा प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।



रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून

मेजर जनरल पी के ऐरी, वी एस एम, सहायक प्रमुख, आई डी एस (आई सी टी), मुख्यालय आई डी एस ने 18 नवंबर 2021 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून का दौरा किया। इस अवसर पर उन्हें डॉ बी के दास, निदेशक, डील द्वारा प्रयोगशाला की विभिन्न चालू परियोजनाओं और क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी गई। आपने विभिन्न डिजीजनों का दौरा किया जहां आपको सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एस डी आर), सैटकॉम टर्मिनल, मल्टीचैनल हब बेसबैंड सिस्टम, डेटा लिंक, ट्रोपोस्कैटर संचार तथा वी एल एफ



प्रणालियों सहित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) द्वारा चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं से अवगत कराया गया। आपने इन परियोजनाओं में गहरी रुचि प्रदर्शित

की तथा इन उच्च स्तरीय संचार एवं निगरानी प्रणालियों के विकास में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) द्वारा प्राप्त की गई प्रगति की सराहना की।

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी

• डॉ. यू के सिंह, महानिदेशक (जीवन विज्ञान) ने 5-6 दिसंबर 2021 के दौरान रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ मधु बाला, निदेशक, डिबेर ने प्रयोगशाला में आए अतिथि का स्वागत किया तथा उनके समक्ष डिबेर द्वारा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों तथा सशस्त्र सेनाओं एवं अन्य क्षेत्रों के लिए उनकी उपयोगिता के



संबंध में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। डॉ. सिंह ने डिबेर के क्रियाकलापों में गहरी रुचि प्रदर्शित की तथा डिबेर के तकनीकी क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने निर्देश दिया कि डिबेर द्वारा अपने विभिन्न क्रियाकलापों के लिए यथाशीघ्र औद्योगिक भागीदारों की उपयुक्त रूप में पहचान की जाए और उन्हें शामिल किया जाए ताकि उत्पादों के विकास और वाणिज्यिक लॉन्च को गति प्रदान किया जा सके।

- लेफ्टिनेंट जनरल एस एस महल, वी एस एम, जीओसी-इन-चीफ यूबी एरिया ने 7 दिसंबर 2021 को डिबेर, हल्द्वानी का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ मधु बाला, निदेशक, डिबेर ने प्रयोगशाला में आए अतिथि का स्वागत किया तथा

उनके समक्ष डिबेर द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों तथा विकसित किए जा रहे उत्पादों के संबंध में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। आप थल सेना तथा नौसेना के वाहनों एवं जनरेटर सेटों में बायो-डीजल के व्यापक परीक्षणों से बहुत प्रभावित

हुए। आपने प्रौद्योगिकियों के शीघ्र कार्यान्वयन में गहरी रुचि प्रदर्शित की। आपने फॉरवर्डिंग लोकेशनों पर चीड़ के पत्तों से प्राप्त ईंधन का उपयोग करने में भी अपनी उत्सुकता व्यक्त की।



यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून

- श्री भास्कर बर्मन, वैज्ञानिक 'जी' तथा नौसेना प्रमुख के वैज्ञानिक सलाहकार ने 1 दिसंबर 2021 को यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून का दौरा किया। इस अवसर पर श्री जे के बाजपेयी, वैज्ञानिक 'एच' तथा सह निदेशक, आई आर डी ई ने उनका स्वागत किया और उन्हें आई आर डी ई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। श्री बर्मन ने इन



उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि प्रदर्शित की। आपने इन उत्पादों के सफल विकास के लिए आई आर डी ई द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

• सुश्री जे. मंजुला, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ई सी एस) ने 11 दिसंबर 2021 को आई आर डी ई, देहरादून का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई ने उनका स्वागत किया। सुश्री मंजुला ने आई आर डी ई की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। डॉ दास ने इन परियोजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। उनके इस दौरे के दौरान आई आर



सुश्री जे मंजुला, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ई सी एस) का स्वागत करते हुए डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई आर डी ई।

डी ई द्वारा विकसित उत्पादों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सुश्री मंजुला ने वैज्ञानिकों के साथ

बातचीत की तथा इन उत्पादों के सफल विकास के लिए आई आर डी ई के प्रयासों की सराहना की।

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

• श्री के एस वाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एच आर) ने 9 नवंबर 2021 को नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) का दौरा किया। श्री एस विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल ने महानिदेशक (एच आर) का स्वागत किया और उन्हें एन पी ओ एल में चालू परियोजना क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) के सभी वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की।



श्री के एस वाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एच आर) को श्री एस विजयन पिल्लई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन पी ओ एल द्वारा जानकारी दी जा रही है।



● भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम वेंकैया नायडू 2 जनवरी 2022 को 'आजादी का अमृत महोत्सव' वर्ष के दौरान आयोजित किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के एक हिस्से के रूप में मनाए गए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) में उपस्थित हुए। केरल के माननीय राज्यपाल, श्री आरिफ मोहम्मद खान; केरल सरकार के उद्योग मंत्री श्री पी. राजीव; एर्नाकुलम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य, श्री हिबी ईडन; महानिदेशक (एन एस एंड एम), डी आर डी ओ, डॉ समीर वी. कामत; महानिदेशक (ए टी वी पी), वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) के ओ ठाकरे; निदेशक, वी एस एस सी, श्री सोमनाथ; मुख्य स्टाफ अफसर (प्रशिक्षण), दक्षिणी नौसेना कमान, रियर एडमिरल टी वी एम प्रसन्ना; निदेशक (आर एंड डी), बी ई एल, श्री एम वी राजा शेखर; निदेशक, एन पी ओ एल, श्री एस. विजयन पिल्लै; तथा सरकार एवं उद्योग जगत से अन्य अनेक गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल हुए।

माननीय उपराष्ट्रपति ने नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) में संस्थापित की जा रही कर्षित व्यूह रडार समेकन सुविधा की आधारशिला रखी। पूर्ण रूप से

संस्थापित कर दिए जाने के उपरांत यह सुविधा लंबी दूरी के सुनम्य सेंसर व्यूहों तथा केबलों के लिए एक अत्याधुनिक एकीकरण सुविधा बन जाएगी तथा इसकी अपनी मशीन शॉप, व्यूह असेंबली शॉप, दाब परीक्षण सुविधा, व्यूह फिलिंग फैसिलिटी और विंच परीक्षण सुविधा होगी।

इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय नौसेना को 'ध्वनि' अकॉस्टिक प्रशिक्षण प्रणाली भी सौंपी गई। 'ध्वनि' एक पूर्णतः स्वचालित सोनार ट्रेनर है जो एक छोटे ध्वानिक टैंक, अनेक सेंसरों, युद्धपोत से संकेत सृजित करने वाले उपकरणों तथा साथ ही सिग्नल प्रोसेसिंग और डिस्प्ले हार्डवेयर से युक्त है।

इस अवसर पर माननीय उपराष्ट्रपति महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) ने अंतर्जालीय निगरानी प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों के विशिष्ट क्षेत्र में खुद को विश्व की एक अग्रणी प्रयोगशाला के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि डी आर डी ओ की एन पी ओ एल जैसी प्रयोगशालाएं राष्ट्रीय सुरक्षा और समृद्धि में अत्यधिक योगदान दे रही हैं तथा इस तथ्य की सराहना की कि भारतीय नौसेना के सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म एन पी ओ एल द्वारा

डिजाइन किए गए निगरानी और रक्षा उपकरणों से लैस हैं।

माननीय उपराष्ट्रपति ने एन पी ओ एल में बनाए गए डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम स्मारक का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया तथा समारोह में पट्टिका का अनावरण किया। पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि के रूप में संस्थापित किए गए इस स्मारक में उनकी प्रतिमा के साथ-साथ उनके प्रेरणादायक जीवन को दर्शाने वाले विवरण भी शामिल किए गए हैं। डी आर डी ओ के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आई जी एम डी पी) के तहत विकसित मिसाइलों और रॉकेटों के मॉडल, जो शुरू में डॉ कलाम द्वारा निर्देशित और उत्कृष्ट रूप में विकसित किए गए थे, स्मारक क्षेत्र को सुशोभित करते हैं। आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष के दौरान स्थापित की गई एक संस्थापना – जो सोनार के क्षेत्र में एनपीओएल द्वारा प्राप्त की भी कुछ विशिष्ट उपलब्धियों को दर्शाती है, का उद्घाटन भी माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा किया गया। गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर एन पी ओ एल द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों की एक विशिष्ट प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया।



नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल) में कर्षित व्यूह रडार समेकन सुविधा की आधारशिला रखते हुए भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू।

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली-110 054 द्वारा प्रकाशित

कृपया अपने सुझाव निम्न पते पर भेंजें :
सम्पादक, डीआरडीओ समाचार, डेसीडॉक, डीआरडीओ, मेटकाफ भवन,
दिल्ली - 110054